


दिनांक आज्ञा या
कार्यवाही

आज्ञा विस्तृत रूप से

विशेष

26/8/25

पत्रावली पेश हुई। इसमें पत्र डायरेक्टिव
होने से प्रती का चलवाट सं० ५५/२०५
०१२३ आ०वी में खारिज किया जा चुका
है। अतः प्रपत्र अर्थाई निषेधावत। जारी
। पत्रों का कोई कोरिप्ट शेष नहीं
रह जाता है। अतः प्र० पत्र डायरेक्टिव
खारिज किया जाता है। पत्रावली के सल्ल सुगाट
कोकर दर्ज न० से का होकर दायित्व
रूपवत्त है।


अध्यक्ष अधिकारी-३
अध्यापक जयपुर-३